PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-104 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 9 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सत्य को सिद्ध करने के लिए शोर नहीं, बल्कि धैर्य, तर्क और चरित्र की ऊँचाई की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति सच के साथ खड़ा होता है, उसकी आवाज भले धीमी हो, लेकिन उसका प्रभाव दूर तक जाता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

शोर नहीं, सत्य की गरिमा बोलती है

समाज में अक्सर यह देखा जाता है कि जो व्यक्ति जितना अधिक गलत होता है, उसकी आवाज उतनी ही ऊँची होती है। वहीं जो व्यक्ति सत्य और तर्क के मार्ग पर चलता है, वह शोर मचाने के बजाय अपने व्यक्तित्व और व्यवहार से अपनी बात को सिद्ध करता है। यह जीवन का एक गहरा सत्य है कि शोर हमेशा शक्ति का प्रतीक नहीं होता, बल्कि कई बार वह भीतर की कमजोरी और असुरक्षा को छिपाने का माध्यम बन जाता है। इसके विपरीत, सच्चाई और तर्क की अपनी एक शांत गरिमा होती है, जिसे चिल्लाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज के समय में समाज का एक बड़ा हिस्सा बहस और संवाद के बजाय शोर और आक्रोश की संस्कृति का शिकार होता जा रहा है। लोग अपनी बात को सही साबित करने के लिए आवाज ऊँची कर लेते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि ऊँची आवाज किसी विचार को सही नहीं बना देती। यदि विचार में सच्चाई और तर्क का वजन है, तो वह धीमी आवाज में भी लोगों के मन और मस्तिष्क तक पहुँच जाता है। महान दार्शनिकों और विचारकों ने भी हमेशा यही संदेश दिया है कि शब्दों की ताकत उनकी ऊँचाई में नहीं, बल्कि उनके अर्थ और सत्य में होती है।

कहा भी गया है कि बाण से लगा घाव भर सकता है, लेकिन वाणी से लगा घाव जीवनभर नहीं भरता। इसलिए समझदार व्यक्ति हमेशा अपनी वाणी पर संयम रखता है। वह जानता है कि क्रोध और आक्रोश में बोले गए शब्द रिश्तों और समाज दोनों को नुकसान पहुँचाते हैं। एक सच्चा और परिपक्व व्यक्ति अपनी बात को तर्क, धैर्य और संयम के साथ प्रस्तुत करता है। उसे यह विश्वास होता है कि सत्य को सिद्ध करने के लिए शोर मचाने की नहीं, बल्कि धैर्य और विवेक की आवश्यकता होती है। बलशाली होकर भी क्षमा करने वाला और गरीब होकर भी दान करने वाला व्यक्ति हमेशा समाज में सम्मान का पात्र बनता है। यही असली महानता है। असली शक्ति दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि अपने भीतर की विनम्रता और उदारता में होती है। इसी प्रकार संवाद और आलोचना के क्षेत्र में भी हमें यह समझना चाहिए कि सराहना दिल से, हस्तक्षेप दिमाग से और समीक्षा विवेक से करनी चाहिए। यदि इन तीनों का संतुलन नहीं बन पाता, तो कई बार मौन ही सबसे बेहतर विकल्प होता है। मौन को अक्सर कमजोरी समझ लिया जाता है, जबकि वास्तव में मौन एक गहरी शक्ति का प्रतीक होता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास रखता है, उसे हर बात का उत्तर देने की आवश्यकता नहीं होती। वह जानता है कि समय और सत्य स्वयं उसके पक्ष में बोलेंगे। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अपने विचारों की कमजोरी को महसूस करता है, वह अपनी बात को मनवाने के लिए शोर का सहारा लेता है। यह शोर अस्थायी रूप से लोगों का ध्यान तो आकर्षित कर सकता है, लेकिन अंततः सत्य और तर्क के सामने टिक नहीं पाता।

समाज में जब लोग सच्चाई से दूर होने लगते हैं, तब शोर की संस्कृति बढ़ने लगती है। लोग तथ्यों और तर्कों के बजाय भावनाओं को भड़काकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद और सामाजिक संतुलन के लिए खतरनाक होती है। इसलिए जरूरी है कि हम शोर के पीछे छिपे तर्कों को पहचानना सीखें और बिना सोचे-समझे किसी भी ऊँची आवाज के प्रभाव में न आएँ। समझदार और जागरूक व्यक्ति हमेशा तथ्यों और तर्कों के आधार पर निर्णय लेता है। वह जानता है कि सच्चाई को प्रमाणित करने के लिए धैर्य, विवेक और संतुलित सोच की आवश्यकता होती है। शोर केवल कानों तक पहुँचता है, लेकिन ठोस तर्क सीधे दिल और दिमाग पर प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि इतिहास में वही विचार और व्यक्तित्व अमर हुए हैं, जिनकी नींव सत्य, तर्क और नैतिकता पर आधारित थी। एक और महत्वपूर्ण बात यह भी है कि कभी-कभी सबसे प्रभावशाली संदेश शब्दों से नहीं, बल्कि खामोशी से दिया जाता है। जब एक शक्तिशाली व्यक्ति शांत हो जाता है, तो उसकी खामोशी कई बार शब्दों से भी अधिक प्रभावशाली हो जाती है। यह खामोशी लोगों को सोचने और आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करती है। इसलिए कहा गया है कि दहाड़ने वाला यदि शांत हो जाए, तो उसकी खामोशी सुकून नहीं बल्कि एक गहरा प्रभाव पैदा करती है।

अंततः हमें यह समझना होगा कि सत्य को कभी शोर की आवश्यकता नहीं होती। झूठ अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए शोर मचाता है, जबकि सत्य अपनी गरिमा और शक्ति के साथ शांत रहकर भी प्रभाव छोड़ता है। समाज के स्वस्थ विकास के लिए यह आवश्यक है कि हम शोर के बजाय तर्क, संयम और सत्य की संस्कृति को अपनाएँ। जब व्यक्ति अपने विचारों को विवेक और मर्यादा के साथ व्यक्त करता है, तभी समाज में स्वस्थ संवाद और सकारात्मक परिवर्तन संभव हो पाता है। सच तो यह है कि ऊँची आवाज से नहीं, बल्कि ऊँचे चरित्र और मजबूत तर्क से ही किसी व्यक्ति की असली पहचान बनती है। इसलिए हमें शोर से नहीं, बल्कि सत्य की शांत और गरिमामयी शक्ति से प्रेरणा लेनी चाहिए।

भारत टी-20 में तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन

लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम

पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

भीम प्रज्ञा न्यूज

अहमदाबाद । टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का एक विज्ञापन आया। इसमें रोहित कहते नजर आए- 'टीम इंडिया हिस्ट्री रिपीट भी करेगी और टीम इंडिया हिस्ट्री डिफीट भी करेगी।'

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर हिस्ट्री रिपीट भी की और हिस्ट्री डिफीट भी की।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 28 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया था। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहराया है।

3 इतिहास बदले

पहलाः पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।

दूसराः पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।

तीसराः पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

वर्ल्ड चैंपियन कप्तान से मैच की शुरुआत...

इस ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले की शुरुआत भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तानों के साथ हुई। जब 2007 के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी और 2024 के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान रोहित शर्मा ट्रॉफी लेकर आए।

ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई

मैच का टॉस न्यूजीलैंड ने जीता और कप्तान मिचेल सैंटनर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लेकिन, भारतीय ओपनर्स ने पावरप्ले के अंदर सैंटनर के फैसले को गलत साबित कर दिया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 92 रन बना डाले। जोकि टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।

भारतीय ओपनर्स ने रिकॉर्ड साझेदारी की

भारतीय ओपनर्स ने 98 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसे रचिन रवींद्र ने अभिषेक शर्मा को कैच आउट कराके तोड़ा। अभिषेक 21 गेंदों में 52 रन बनाकर आउट हो गए। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है।

सैमसन-ईशान में शतकीय साझेदारी, स्कोर 200 पार

अभिषेक के आउट होने के बाद ईशान किशन क्रीज पर आए। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इस जोड़ी ने 48 बॉल पर 105 रन जोड़े। इसकी मदद से टीम इंडिया का स्कोर 15 ओवर में 200 के पार पहुंच गया।

लाम्बी अहीर में 'नारी दिशा' कार्यक्रम, महिलाओं का पुलिस व न्यायपालिका से सीधा संवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत लाम्बी अहीर में आदित्री फाउंडेशन के नेतृत्व में 'नारी दिशा' नवाचार के तहत महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, कानून और न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूक करना तथा पुलिस और न्यायपालिका के साथ उनका सीधा संवाद स्थापित करना था। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) झुंझुनूं के तत्वावधान में लोक जानकारी शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर में महिलाओं से सीधे संवाद करते हुए उन्हें विभिन्न कानूनी अधिकारों, योजनाओं और सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सेशन जज दीपा गुर्जर और एडीजी महेंद्र सोलंकी उपस्थित रहे, जबकि संतोष मेहरा (लेक्चरर, हिसार) भी विशेष रूप से मौजूद रहीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं सेशन जज दीपा गुर्जर ने महिलाओं को कानून से जुड़े महत्वपूर्ण

पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका किस प्रकार कार्य करती है और यदि किसी महिला को घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या किसी अन्य प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो वह किस प्रकार शिकायत दर्ज करवा सकती है और न्याय प्राप्त कर सकती है। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और निडर होकर न्याय के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने भी महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जागरूक करते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से किस प्रकार संपर्क किया जा सकता है और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम में महिलाओं ने खुलकर अपने सवाल रखे और अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। आदित्री फाउंडेशन की सचिव और 'हॉकी वाली सरपंच' के नाम से प्रसिद्ध नीरू यादव ने बताया कि 'नारी दिशा' पहल का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, सशक्त और नेतृत्व के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं अपने अधिकारों और कानून की जानकारी रखेंगी तभी समाज में वास्तविक बदलाव संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसदः युवाओं ने रखे अपने विचार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ माय भारत द्वारा राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राज्य स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न जिलों से चयनित युवाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में विकसित भारत 2047 के विजन और केंद्रीय बजट 2026 सहित अनेक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। खैरथल-तिजारा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए गादूवास निवासी अभिषेक कौशिक ने प्रभावशाली तरीके से अपना वक्तव्य पेश किया। उन्होंने पंचायती राज में भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध के पीछे सूखे नशे की प्रवृत्ति को प्रधानमंत्री मोदी के गुड गवर्नेंस विज़न में बड़ी बाधा बताया। अभिषेक ने कहा कि मुगलों के भारत आने तक वैश्विक जीडीपी में अकेले भारत का योगदान 24' का था, और अब पूरा विश्व भारत की तरफ बड़ी आशा भरी निगाहों से देख रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा जब सरकार की योजनाएं गांव गली ढाणी की समस्याओं को केंद्र में रखकर बनाई जाए और उनका सही क्रियान्वन हो।

समलेटी प्रीमियर लीग 2026 का आगाज

विधायक राजेंद्र मीणा ने फीता काटकर खेला मैत्री मैच, खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

25 हजार का नकद सहयोग देकर युवाओं को खेल के लिए किया प्रोत्साहित।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुख्यालय समलेटी के खेल मैदान में रविवार को ग्रामीण खेल संस्कृति का उत्साहपूर्ण नजारा देखने को मिला, जब समलेटी प्रीमियर लीग 2026 सीजन का विधिवत शुभारंभ विधायक राजेन्द्र ने फीता काटकर और खिलाड़ियों के साथ मैत्री मैच खेलते हुए किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और युवाओं की भागीदारी ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने खिलाड़ियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का सबसे सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि हार और जीत खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं, इसलिए खिलाड़ी परिणाम की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ मैदान में उतरें और निरंतर अभ्यास के जरिए अपनी प्रतिभा को निखारें। विधायक ने विश्वास जताया कि समलेटी प्रीमियर लीग जैसे आयोजन ग्रामीण अंचल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर देंगे और क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई पहचान

दिलाएंगे। खिलाड़ियों और आयोजकों के उत्साह को देखते हुए विधायक ने अपनी ओर से प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए ?25 हजार का नकद सहयोग प्रदान किया, जिसे उपस्थित युवाओं ने खेल के प्रति जनप्रतिनिधियों की सकारात्मक पहल बताते हुए सराहा।कार्यक्रम के दौरान विधायक ने स्वयं मैदान में उतरकर खिलाड़ियों के साथ मैत्री मैच खेला, जिससे युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे मैदान में खेल भावना का माहौल बन गया। आयोजन के दौरान समलेटी सरपंच रचना मीणा, सेवानिवृत्त पीटीआई रामभरोसी मीणा सहित ग्राम के पंच-पटेल और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

समरस साहित्य संस्थान की बैठक सम्पन्न, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.अलवर।

रमेशचंद । समरस साहित्य संस्थान जिला अलवर की ओर से आयोजित बैठक पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखें। बैठक के आरंभ में जिलाध्यक्ष जे डी राणा ने अपने विचार रखें और उपस्थित पदाधिकरियों ने आगामी कार्यकर्मों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संरक्षक डॉ विपुल भवालिया, जिलाध्यक्ष जे डी राणा, उपाध्यक्ष सीमा कालरा, कोषाध्यक्ष हरिसिंह मीरवाल, मीडिया प्रभारी सुनीता शर्मा कार्यकारिणी सदस्य महेश वेदामृत दीपक सोनी, सलाहकार मंडल से जितेंद्र पोपली आदि उपस्थित रहें। बैठक की अध्यक्षता डॉ विपुल कुमार भवालिया ने की। जिलाध्यक्ष जे डी राणा ने बताया कि समरस साहित्य संस्थान का उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करना है, और आगामी दिनों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने सुझाव दिए और कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

बादाम खाने से ज्यादा असरदार है एक्सरसाइज, दिमाग को बनाती है तेज

हम अक्सर सुनते आए हैं कि बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। बच्चों को परीक्षा से पहले, बड़ों को याददाश्त मजबूत रखने के लिए बादाम खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन हाल की रिसर्च ने एक नया पहलू सामने रखा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, दिमाग की सेहत और उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में बादाम से कहीं ज्यादा असरदार है नियमित एक्सरसाइज ।

रिसर्च क्या कहती है?

विशेषज्ञों का कहना है कि जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसका सीधा असर दिमाग तक पहुँचने वाली ऑक्सीजन और पोषक तत्वों पर पड़ता है। पर्याप्त ऑक्सीजन मिलने से दिमाग की कोशिकाएँ सक्रिय रहती हैं और उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। वहीं, केवल बादाम खाने से कुछ पोषक तत्व तो मिल जाते हैं, लेकिन अगर शरीर निष्क्रिय है तो उसका पूरा लाभ दिमाग तक नहीं पहुँच पाता।

बच्चों और बड़ों दोनों के लिए ज़रूरी

यह अध्ययन केवल बड़ों के लिए ही नहीं, बल्कि बच्चों के लिए भी अहम है। स्कूल जाने वाले बच्चे अगर रोज़ाना खेल–कूद, दौड़, योग या हल्की–फुल्की कसरत करें, तो उनकी कॉग्निटिव एबिलिटी यानी समझने और याद रखने की शक्ति तेज़ी से विकसित होती है। इसी तरह, बढ़ती उम्र के लोगों में भी एक्सरसाइज दिमाग को सक्रिय रखती है और भूलने की समस्या को धीमा करती है।

एक्सरसाइज के फायदे

बेहतर याददाश्त: नियमित कसरत करने वालों में स्मरण शक्ति अधिक पाई गई है।

तनाव में कमी : एक्सरसाइज से एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज़ होते हैं, जिससे मानसिक तनाव घटता है।

सोचने–समझने की क्षमता में सुधार: लगातार शारीरिक गतिविधि दिमाग को नए विचार और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

लॉन्ग–टर्म हेल्थ: उम्र बढ़ने पर भी दिमाग चुस्त और कार्यशील रहता है।

बादाम की भी अपनी अहमियत

इसका मतलब यह नहीं कि बादाम बेकार है। बादाम में विटामिन ई, ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो दिमागी कोशिकाओं को पोषण और सुरक्षा प्रदान करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ़ बादाम खाने से दिमाग तेज़ नहीं होगा, जब तक कि इसे नियमित व्यायाम और संतुलित आहार के साथ न जोड़ा जाए।

निष्कर्ष

स्पष्ट है कि दिमाग की सेहत के लिए बादाम और अन्य पोषक तत्व ज़रूरी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा असर डालती है नियमित एक्सरसाइज। अगर आप रोज़ाना 30 मिनट की हल्की सैर, योग, स्ट्रेचिंग या खेल–कूद को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपका दिमाग पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय, तेज और स्वस्थ रहेगा।

गोरिल्ला और सियार: भीम की ताकत और रंगा की चालाकी

बहुत समय पहले की बात है, भारत के एक बहुत ही विशाल और हरे–भरे जंगल में, जिसका नाम 'चंदनवन' था, बहुत सारे जानवर मिल–जुलकर रहते थे। इसी जंगल में 'भीम' नाम का एक विशालकाय गोरिल्ला (त्रश्च्द्वद्यद्यड्ड) – विकिपीडिया रहता था। भीम शरीर से तो किसी पहाड़ जैसा मजबूत और ताकतवर था, लेकिन उसका दिल एक छोटे बच्चे की तरह बहुत ही साफ और भोला था। वह हमेशा दूसरे जानवरों की मदद करने के लिए तैयार रहता था।

उसी चंदनवन में एक 'रंगा' नाम का सियार (छ्ड्डष्म्रड्ड्य) भी रहता था। रंगा बहुत ही दुबला–पतला था, लेकिन उसका दिमाग बहुत ही चालाक और खुराफाती था। वह हमेशा कोई न कोई ऐसी तरकीब सोचता रहता था जिससे बिना मेहनत किए उसे अच्छा खाना मिल जाए। जंगल के सभी जानवर रंगा की चालाकी से वाकिफ थे, इसलिए कोई भी उससे ज्यादा बात नहीं करता था। गोरिल्ला और सियार का स्वभाव एक–दूसरे से बिल्कुल उल्टा था।

रंगा सियार का लालच और एक योजना

एक दिन दोपहर के समय, रंगा सियार जंगल में घूम रहा था। तभी उसकी नजर एक बहुत ही ऊंचे पहाड़ की चोटी पर लटक रहे एक विशाल मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ी। उस छत्ते से सुनहरे रंग का मीठा–मीठा शहद टपक रहा था। शहद देखकर रंगा के मुंह में पानी आ गया।

उसने मन ही मन सोचा, 'वाह! कितना स्वादिष्ट शहद है। अगर यह मुझे मिल जाए तो कई दिनों तक मजे से खाऊंगा।' लेकिन वह पहाड़ बहुत ऊंचा था और रंगा को मधुमक्खियों के डंक से बहुत डर लगता था। उसने सोचा कि यह काम तो कोई ऐसा जानवर ही कर सकता है जो बहुत ताकतवर हो और जिसे मधुमक्खियों के डंक का असर न हो। तभी उसे दूर से पेड़ की शाखाएं तोड़कर फल खाता हुआ 'भीम' गोरिल्ला दिखाई दिया।

झूठी तारीफ का जाल

रंगा सियार धीरे–धीरे भीम गोरिल्ला के पास पहुंचा और बहुत ही मीठी आवाज़ में बोला, 'प्रणाम भीम भैया! अरे वाह! आपकी यह विशाल भुजाएं और यह ताकत! सच में, पूरे जंगल में आप जैसा कोई बलवान नहीं है। शेर और हाथी भी आपके सामने कुछ नहीं हैं।' भोला भीम अपनी तारीफ सुनकर बहुत खुश हुआ। उसने अपनी छाती ठोकते हुए कहा, 'धन्यवाद रंगा भाई! कहो, आज यहाँ कैसे आना हुआ?'

रंगा ने दुखी होने का नाटक करते हुए कहा, 'भैया, क्या बताऊं। आज सुबह जंगल के कुछ जानवर कह रहे थे कि भीम के पास सिर्फ शरीर है, हिम्मत नहीं। वो कह रहे थे कि आप डरपोक हैं!'

यह सुनते ही भीम को बहुत गुस्सा आ गया। 'क्या? किसने कहा ऐसा? मैं किसी से नहीं डरता!'

रंगा ने तुरंत कहा, 'वही तो मैंने उन्हें समझाया! लेकिन वो बोले कि अगर भीम सच में इतना बहादुर है, तो वह 'खूनी पहाड़' की चोटी से वह जादुई छत्ता तोड़कर लाए, जिसे आज तक कोई नहीं छू पाया। मैंने सोचा कि मैं आपको बता दूं।'

भीम की नादानी और मधुमक्खियों का हमला

भीम ने बिना कुछ सोचे–समझे अपनी ताकत साबित करने की ठान ली। वह तुरंत उस ऊंचे पहाड़ की तरफ दौड़ पड़ा। रंगा सियार एक सुरक्षित झाड़ी के पीछे छिपकर मुस्कुराते हुए तमाशा देखने लगा।

भीम बड़ी ही आसानी से उस ऊंचे पहाड़ पर चढ़ गया। जैसे ही उसने उस विशाल छत्ते पर हाथ डाला, हजारों गुस्सैल मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। भीम बहुत ताकतवर था, लेकिन छोटी–छोटी मधुमक्खियों के डंक से उसे भी बहुत दर्द होने लगा। फिर भी, अपनी बात साबित करने के लिए उसने छत्ता तोड़ा और पहाड़ से नीचे कूद गया।

नीचे आते ही भीम दर्द से कराहते हुए नदी की तरफ भागा ताकि मधुमक्खियों से बच सके। उसने वह शहद का छत्ता वहीं जमीन पर रख दिया था। मौका देखकर चालाक रंगा सियार झाड़ियों से बाहर निकला, छत्ता उठाया और दूर एक गुफा में जाकर मजे से सारा शहद खा गया।

सच्चाई का ज्ञान और भीम की सीख

जब भीम नदी से नहाकर वापस आया, तो उसने देखा कि न वहां शहद का छत्ता है और न ही रंगा सियार। आस–पास के जानवरों ने भीम को बताया कि उन्होंने रंगा को शहद लेकर भागते हुए देखा था।

भीम को अपनी बेवकूफी पर बहुत पछतावा हुआ। उसे समझ आ गया कि रंगा ने उसकी झूठी तारीफ करके अपना स्वार्थ पूरा किया। भीम ने कसम खाई कि वह इस धोखेबाज़ सियार को ऐसा सबक सिखाएगा कि वह जिंदगी भर याद रखेगा। शारीरिक ताकत तो भीम के पास थी ही, अब उसने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करने की भी ठान ली।

भीम का पलटवार

कुछ दिनों बाद, भीम ने रंगा को एक पेड़ के नीचे सोते हुए देखा। भीम ने अपनी एक नई योजना बनाई। वह धीरे से रंगा के पास गया और जोर से बोला, 'अरे वाह! मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा कि इतना बड़ा खजाना मुझे मिल गया!'

रंगा की नींद टूट गई। 'खजाना' शब्द सुनकर उसके कान खड़े हो गए। उसने पूछा, 'क्या हुआ भीम भैया? कौन सा खजाना?'

भीम ने रहस्यमयी तरीके से कहा, 'अरे रंगा! तुम्हें पता है, उस पुरानी सूखी गुफा के अंदर बहुत सारा ताजा और स्वादिष्ट मांस रखा है। किसी शिकारी ने शायद वहां छुपाया है। लेकिन मैं तो शाकाहारी हूँ, मेरे किस काम का? मैं जा रहा हूँ।' रंगा सियार का लालच फिर जाग उठा। वह बिना कुछ सोचे उस पुरानी गुफा की ओर भाग खड़ा हुआ।

चालाकी का अंत

जैसे ही रंगा ने उस अंधेरी गुफा में छलांग लगाई, वह एक गहरे गड्ढे में गिर पड़ा। वह कोई खजाने की गुफा नहीं थी, बल्कि शिकारियों द्वारा जंगली सूअरों को पकड़ने के लिए खोदा गया एक गहरा जाल (गड्ढा) था।

रंगा बाहर निकलने के लिए बहुत उछला, लेकिन गड्ढा बहुत गहरा था। वह रोने लगा और मदद के लिए चिल्लाने लगा, 'बचाओ! बचाओ! मुझे यहाँ से निकालो!' तभी ऊपर से भीम गोरिल्ला की आवाज आई। भीम ने गड्ढे में झांकते हुए कहा, 'क्यों रंगा? खजाना मिल गया? दूसरों को मूर्ख बनाकर अपना काम निकालने का यही नतीजा होता है। तुम्हारी झूठी तारीफों ने मुझे मधुमक्खियों से डसवाया था, अब तुम्हारा लालच तुम्हें इस गड्ढे में ले आया।'झ

रंगा सियार हाथ जोड़कर रोने लगा, 'मुझे माफ कर दो भीम भैया! मैं कसम खाता हूँ कि अब कभी किसी को धोखा नहीं दूंगा। कभी किसी की झूठी तारीफ करके अपना मतलब नहीं निकालूंगा। बस मुझे एक बार बाहर निकाल लो।'

भीम दयालु था। उसने एक लंबी और मजबूत पेड़ की डाल तोड़ी और गड्ढे में लटका दी। रंगा उस डाल को पकड़कर बाहर निकल आया। बाहर आते ही उसने भीम के पैर पकड़े और माफी मांगी। उस दिन के बाद से रंगा सियार ने अपनी चालाकी छोड़ दी और जंगल में मेहनत करके अपना पेट भरने लगा।

सीख –

झूठी तारीफ से बचें : जो लोग हमारी बहुत ज्यादा और झूठी तारीफ करते हैं, अक्सर उनका कोई न कोई स्वार्थ छिपा होता है।

बुद्धि और बल का सही उपयोग : सिर्फ शरीर से ताकतवर होना काफी नहीं है, दिमाग का सही इस्तेमाल करना भी बहुत जरूरी है।

लालच बुरी बला है: रंगा सियार के लालच ने ही उसे मुश्किल में डाला। लालच का अंत हमेशा बुरा होता है।

क्षमा करना महानता है : भीम ने बदला लेने के बजाय रंगा को सबक सिखाया और अंत में उसकी मदद करके अपनी महानता दिखाई।

बदलती जीवन शैली के कारण बढ़ रही है हाई ब्लड प्रेशर की समस्या

बदलती जीवन शैली के कारण आजकल हाई ब्लड प्रेशर समस्या आम है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह धीरे–धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बन जाती है।

हाई ब्लड प्रेशर के शुरुआती लक्षण सामान्यत: स्पष्ट नहीं होते, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बढ़ती है और दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। खासकर जब बीपी बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर तब होता है जब दिल को शरीर में ब्लड पंप करने के लिए सामान्य से ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इस दबाव के कारण रक्त वाहिकाओं की दीवारें कमजोर और क्षतिग्रस्त होने लगती हैं, जिससे गंभीर मामलों में वे फट भी सकती हैं। सामान्य ब्लड प्रेशर की रेंज 120/80 एमएम एचजी होती है, जबकि अगर सिस्टोलिक प्रेशर 130 से 139 के बीच और डायस्टोलिक प्रेशर 80 से 90 के बीच होता है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ब्लड प्रेशर 140/90 एमएम एचजी से ऊपर चला जाए तो हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में जल्द ही डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी हो जाता है ताकि आगे की गंभीरताओं से बचा जा सके।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई मामलों में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। फिर भी कुछ लोगों को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों का लाल होना, नाक से खून आना, सीने में दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जो लोग बीपी से परेशान हैं या जो इस बीमारी के जोखिम में हैं, उन्हें नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहना चाहिए। यदि ब्लड प्रेशर अनियंत्रित रहता है तो यह न केवल हार्ट अटैक बल्कि स्ट्रोक और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

पाउडर लगाते समय रखें ध्यान

आजकल की जिंदगी में लुक्स का अहम स्थान है फिर वो चाहे ऑफिस हो या फिर कॉलेज या फिर आप एक हाउस वाइफ ही क्यों न हों। सुंदर और मुस्कुराता चेहरा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेता है और ऐसे में इसकी चमक और निखार को बढ़ाने के लिए मेकअप की सहायता लेना कोई बुरी बात भी नहीं है। इसके लिए मेकअप की और इसे एप्लाई करने की सही जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में ये जरूरी है कि मेकअप अप्लाई करने से पहले आपको उसके बारे में कुछ बेसिक बातें पता हों।

पाउडर का सही इस्तेमाल

पाउडर लगाने से मेकअप निखर कर आता है लेकिन पाउडर लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ये पूरे चेहरे पर बराबर लगा हो। वरना ये स्मूद लुक देने के बजाय भद्दा नजर आएगा.

कंसीलर का इस्तेमाल

कंसीलर का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए। उंगलियों से टैप करके इसे आंखों के नीचे और नाक के आस–पास लगाना चाहिए। उसके बाद कंसीलर ब्रश की मदद से इसे फाइनल टच देना चाहिए।

आंखों का मेकअप

आंखों की सुंदरता को और बढ़ाने के लिए आई मेकअप को ट्रेंड के अनुसार करना ही बेहतर होता है। वैसे तो आंखों पर करीने से लगा काजल और आईलाइनर ही काफी हद तक सुंदर बना देता है लेकिन खास मौके पर इनके मेकअप पर ध्यान देना जरूरी होता है।

राजस्थान रोडवेज का झुंझुनूं डिपो बना मिसाल : जनवरी 2025 के भारी घाटे से उबरकर जनवरी 2026 में करोड़ों की कमाई, बेहतर प्रबंधन और रणनीति से बदली डिपो की आर्थिक तस्वीर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) के झुंझुनूं डिपो ने वित्तीय प्रबंधन और बेहतर संचालन का उदाहरण पेश करते हुए जनवरी 2025 के मुकाबले 2026 में अपनी आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। जनवरी 2025 में जहां डिपो को भारी घाटे का सामना करना पड़ा था, वहीं जनवरी 2026 में झुंझुनूं डिपो ने उल्लेखनीय सुधार करते हुए करोड़ों रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर मिसाल कायम कर दी है। डिपो के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 में झुंझुनूं रोडवेज डिपो की कुल आय 4 करोड़ 43 लाख 90 हजार 290 रुपये रही थी, जबकि इसी अवधि में डिपो ने 5 करोड़ 66 लाख 31 हजार 710 रुपये का खर्च किया था। इस प्रकार आय से अधिक खर्च होने के कारण डिपो को 1 करोड़ 22 लाख 41 हजार 420 रुपये का भारी घाटा उठाना पड़ा था।

लेकिन जनवरी 2026 में स्थिति पूरी तरह बदल गई। जनवरी 2026 में झुंझुनूं डिपो ने बेहतर प्रबंधन, खर्चों पर नियंत्रण और आय बढ़ाने के प्रयासों के कारण शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 करोड़ 57 लाख 10 हजार 798 रुपये की कुल आय अर्जित की। वहीं खर्च को नियंत्रित रखते हुए 4 करोड़ 65 लाख 66 हजार 840 रुपये तक सीमित रखा गया। इस प्रकार जनवरी 2026 में झुंझुनूं डिपो ने कुल खर्च निकालने के बाद 1 करोड़ 5 लाख 52 हजार 263 रुपये की शुद्ध आय अर्जित की। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पिछले वर्ष इसी माह में डिपो घाटे में था।

मुख्यालय के निर्देशों का मिला लाभ

झुंझुनूं डिपो के डिपो मैनेजर गिरिराज स्वामी ने इस उपलब्धि का श्रेय रोडवेज मुख्यालय और प्रबंधन को दिया है। उन्होंने बताया कि रोडवेज मुख्यालय के निर्देशानुसार डिपो में कई सुधारात्मक कदम उठाए गए।उन्होंने कहा कि रोडवेज के प्रबंध निदेशक

(रूठ) द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्य करते हुए डिपो के संचालन को अधिक प्रभावी बनाया गया। बसों के समय पर संचालन, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और राजस्व बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। गिरिराज स्वामी ने बताया कि जनवरी 2026 के दौरान डिपो ने कुल 5 करोड़ 57 लाख 10 हजार 798 रुपये की आय अर्जित की। वहीं कुल खर्च 4 करोड़ 65 लाख 66 हजार 840 रुपये रहा। खर्च निकालने के बाद डिपो को 1 करोड़ 5 लाख 52 हजार 263 रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई है।

यात्रियों की संख्या बढ़ने से बढ़ी आय

झुंझुनूं डिपो की आय में बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण यात्रियों की संख्या में वृद्धि भी माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में रोडवेज बसों के संचालन में सुधार किया गया, जिससे यात्रियों का भरोसा बढ़ा और अधिक लोग रोडवेज बसों से यात्रा करने लगे। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों तक बस सेवाओं के संचालन को बेहतर बनाया गया। समय पर बसों के संचालन से यात्रियों को सुविधा मिली, जिससे रोडवेज की आय में भी बढ़ोतरी हुई।

खर्चों पर रखा गया विशेष नियंत्रण

डिपो प्रशासन ने आय बढ़ाने के साथ-साथ खर्चों को नियंत्रित करने पर भी विशेष ध्यान दिया। अनावश्यक खर्चों में कटौती की गई और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया गया।बसों के संचालन में ईंधन की खपत पर निगरानी रखी गई और तकनीकी रखरखाव को बेहतर बनाया गया। इसके कारण खर्च कम हुआ और डिपो को लाभ प्राप्त हुआ।

कर्मचारियों के सहयोग से मिली सफलता

झुंझुनूं डिपो की इस सफलता में कर्मचारियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। ड्राइवर, कंडक्टर और अन्य कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन किया, जिससे बसों का संचालन सुचारू रूप से होता रहा। कर्मचारियों के सहयोग से डिपो प्रशासन को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिली।

जनवरी 2026 में बदली आर्थिक तस्वीर

झुंझुनूं रोडवेज डिपो के लिए यह उपलब्धि बेहद अहम मानी जा रही है। पिछले वर्ष जनवरी 2025 जहां घाटे के कारण डिपो की आर्थिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे थे, वहीं इस वर्ष जनवरी 2026 करोड़ों की शुद्ध आय अर्जित कर डिपो ने यह साबित कर दिया है कि सही रणनीति और बेहतर प्रबंधन से किसी भी सरकारी संस्था को घाटे से बाहर निकाला जा सकता है। रोड़वेज चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में रोडवेज प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव झुंझुनूं डिपो की आय पर पड़ा है। बसों के बेहतर संचालन, यात्रियों की संख्या में वृद्धि, टिकटिंग व्यवस्था में सुधार तथा अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण के कारण डिपो की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है।

भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

डिपो प्रशासन का कहना है कि आने वाले समय में भी इसी तरह के प्रयास जारी रखे जाएंगे, ताकि रोडवेज की आय में और बढ़ोतरी हो सके। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और बस सेवाओं का विस्तार करना भी प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।डिपो मैनेजर गिरिराज स्वामी ने कहा कि रोडवेज मुख्यालय के निर्देशानुसार कार्य करते हुए झुंझुनूं डिपो को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। जनवरी 2025 में जहां डिपो को 1 करोड़ 22 लाख 41 हजार 420 रुपये का घाटा हुआ था, वहीं जनवरी 2026 में 1 करोड़ 5 लाख 52 हजार 263 रुपये की शुद्ध आय अर्जित करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रदेश के अन्य डिपो के लिए बना उदाहरण

झुंझुनूं रोडवेज डिपो की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य डिपो के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है। जिस प्रकार एक वर्ष में घाटे से उबरकर डिपो ने करोड़ों की शुद्ध आय अर्जित की है, वह अन्य डिपो के लिए भी एक उदाहरण है।

महिला दिवस पर अनुकरणीय कार्य करने पर मंडावा तहसीलदार डॉ सुरेन्द्र भास्कर हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को महिला एव बालिकाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने पर मंडावा के तहसीलदार डॉ सुरेन्द्र भास्कर को पन्नाधाय सुरक्षा और सम्मान से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान झुनझुनू के जिला कलेक्टर अरुण गर्ग द्वारा प्रदान किया गया। डॉ भास्कर एनजीओ सेवियर एजुकेशन वेलफेयर एंड अवेयरनेस के फाउंडर हैं। सेवा एनजीओ किसान हित के साथ बाल कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए 2010-11 से निरंतर कार्य कर रहा है। इसके अलावा डॉ सुरेन्द्र भास्कर प्राउड पैरेंट्स ग्रुप के संस्थापक भी हैं जिसमे 150 से अधिक केवल बेटियों तक सीमित परिवार इसके सदस्य हैं।वे ग्रुप के माध्यम से समाज को बेटियों के प्रति सम्मान और उनके अधिकारों के लिए जागरूक कर रहे हैं। साथ ही साथ जरूरतमंद लड़कियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। गौरतलब है कि डॉ सुरेन्द्र भास्कर ने पीएचडी का शोध कार्य भी महिला जागरूकता पर ही केंद्रित था। डॉ भास्कर लक्ष्मणगढ़ तहसील के घस्सू गांव के निवासी हैं ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महेंद्रगढ़ में महिला सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन नारनौल और राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के संयुक्त तत्वावधान में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ में महिला सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूनम सिंह बौद्ध ने की, जबकि संचालन ममता ने किया। सभा को संबोधित करते हुए पूनम सिंह बौद्ध ने कहा कि आज देश और दुनिया तेजी से विकास कर रही है और इस विकास में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके बावजूद महिलाएं आज भी उत्पीड़न, भेदभाव और शोषण का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों और कार्यस्थलों पर महिलाओं के साथ उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती रहती हैं।उन्होंने कहा कि फिल्मों, मीडिया और अखबारों में महिलाओं की अर्धनग्न तस्वीरें प्रकाशित कर उन्हें उपभोग की वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिसके कारण महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। आज दूध पीती बच्ची से लेकर 70 वर्ष तक की महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं।

पूनम सिंह बौद्ध ने यह भी कहा कि सरकार विभिन्न विभागों में महिलाओं से कम वेतन पर काम करवाकर उनका शोषण कर रही है। आंगनवाड़ी, आशा वर्कर और मिड-डे मील में कार्यरत महिलाओं से बेहद कम मानदेय पर काम लिया जा रहा है, जो महिलाओं की गरिमा और अधिकारों के खिलाफ है। महिला सभा में मंजू देवी, रमेश देवी, समाकोर, निशा देवी, माया देवी, सरोज, मुस्कान, हुक्मचंद थानेदार, कामरेड सुभाष चंद्र, एडवोकेट सुरेश कुमार मित्तल सहित अन्य महिलाओं और वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

पिलानी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 50 महिलाओं का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय नायक सभा राजस्थान की ओर से आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 14 पिलानी में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी वर्कर, एनजीओ कार्यकर्ता, अध्यापिकाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित करीब 50 महिलाओं को पुष्पमाला, प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन पार्षद पिलानी एवं अखिल भारतीय नायक सभा के राजस्थान प्रदेश महासचिव विशाल नायक तथा आंगनवाड़ी सेक्टर पिलानी के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर, समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उनके महान कार्यों को याद करते हुए की गई।इस अवसर पर महिला पर्यवेक्षक अनीता, एनजीओ से सरस्वती देवी, पपीता शेखावत, गुरुकुल कोचिंग संस्थान पिलानी से पूजा शुक्ला, संस्कार स्कूल पिलानी की अध्यापिका सरोज शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता अंजली नायक और ज्ञाना भार्गव सहित कई अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संतोष नायक, मनीषा नायक, संतोष सैनी, पिंकी वर्मा, ललिता शर्मा, सुमन देवी, अंजना शर्मा, पूजा देवी, प्रेम देवी, चंदा देवी, मंजू शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, सुनीता सैनी, रजनी शर्मा, प्रीति शर्मा, हेमलता, अफसाना बानो, राजकला देवी, प्रेमलता शर्मा, सुधा देवी, उमा सैनी, विमला मेहरा, सरती देवी, अर्चना देवी, नीरू देवी, सबनम देवी, अनीता सिंह, शकुंतला देवी, नविता वर्मा, सुनीता सैन सहित अन्य महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था पार्षद विशाल नायक के नेतृत्व में की गई, जबकि मंच संचालन संतोष नायक और रजनी शर्मा ने किया। अंत में सभी अतिथियों और उपस्थित मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लोहिया स्कूल ने दी नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च रविवार को लोहिया पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा समाज में महिलाओं के अधिकार सम्मान और समानता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विवेकानंद चौक में प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। संस्था प्रधान राम सिंह नेहरा तथा प्रधानाचार्या प्रमोदिनी दुबे के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ और इस आयोजन में विवेकानंद परिषद का भी विशेष सहयोग रहा। नुक्कड़ नाटक का निर्देशन दीपक शर्मा ने किया।

पूनम शर्मा, माया ,मोनिका और काजल सहित अन्य अध्यापकों का सहयोग रहा नाटक में छात्रा शिवालिका वीर रस से परिपूर्ण कविता 'कृष्ण नहीं आएंगे' की प्रभावशाली प्रस्तुति दी और नुक्कड़ नाटक में आराध्या, पूर्वी, ऋषिका, रोक्सी जाह्नवी, मीनाक्षी, हिमांशु, आशीष ,प्रसून प्रियांशु, पुलकित, विनायक और बंटी ने महिला सशक्तिकरण शिक्षा के महत्व तथा महिलाओं के प्रति होने वाले भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों के अभिनय, संवाद और प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान रोहिताश्व महला, महेंद्र जोशी, रमेश कोतवाल, श्यामसुख शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, सत्यनारायण चौधरी, जयराम स्वामी तथा नगर के प्रतिष्ठित पत्रकार, व्यापारी वर्ग और आसपास के गांव से आए उपस्थित दर्शकों ने कार्यक्रम की सरहाना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से ही समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता संभव है।

गौसेवा के लिए दिया 11 हजार रुपये का सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड़ स्थित टीकम दास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति मंडावा में आज जयपुर निवासी भागीरथ सिंह ने गायों के हरे चारे के लिए 11 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सहयोगकर्ता के प्रतिनिधि किशोर सिंह राठौड़ ने गौशाला पहुंचकर गायों को हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर रविंद्र शर्मा, जयप्रकाश सोनी, वंश माथुर गजेंद्र सिंह, विक्रम नायक सहित अन्य लोग उपस्थित रहें। सहयोगकर्ता भामाशाह का गौशाला अध्यक्ष किशोर सिंह ने का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बुहाना में के-सैट 2026 के प्रथम चरण की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न, 350 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना द्वारा आयोजित के-सैट 2026 (खेमका छात्रवृत्ति सह प्रवेश परीक्षा) के प्रथम चरण की परीक्षा 8 मार्च को उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के लिए 350 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों में इस परीक्षा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। परीक्षा के दिन विद्यालय परिसर में मेधावी और उत्साही विद्यार्थियों की बड़ी संख्या देखने को मिली। आसपास के कई गांवों से आए छात्र-छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में भाग लिया। विद्यालय परिसर में सुबह से ही विद्यार्थियों और अभिभावकों की चहल-पहल बनी रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनमोहन शर्मा ने बताया कि के-सैट परीक्षा का उद्देश्य क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और क्षमता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं।

विद्यालय के प्रबंधक हवा सिंह ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए विद्यालय प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गांवों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था भी उपलब्ध करवाई गई, जिससे दूर-दराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को परीक्षा में भाग लेने में सुविधा मिली। परीक्षा प्रभारी पंकज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि के-सैट 2026 के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता, तार्किक सोच और बुनियादी ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा का परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विद्यालय के लेखाधिकारी संदीप दायमा, कक्षा समन्वयक मुस्कान अग्रवाल, रवीना तंवर, संदीप कुमार, बबीता कुमारी, पूनम जांगिड़, मुनेश कुमारी, अंशु तंवर, चंद्रेश भारद्वाज, सरिता कुमारी, पूनम शर्मा, शारीरिक शिक्षक राकेश कुमार सहित गैर-शैक्षणिक कर्मचारी प्रदीप शर्मा, संजू देवी, प्रेम देवी, सचिन शर्मा तथा परिवहन विभाग से अनिल कुमार, प्रदीप कुमार, राजेंद्र, पवन, उदयभान, मोनू, सोनू, अशोक सहित समस्त विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार के-सैट 2026 के आगामी चरणों की परीक्षाएं 15, 22 और 29 मार्च को आयोजित की जाएंगी, जिनके लिए पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। विद्यालय प्रबंधन ने क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों से इस परीक्षा में भाग लेकर छात्रवृत्ति का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

यज्ञ चक्रवर्ती सम्राट के प्रतीक है बल्डाधाम नागौर के सीताराम दास महाराज- मदन भांवरिया

निर्झर धाम में 9 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का कलश यात्रा के साथ हुआ आगाज

16 मार्च को पूर्णाआहुति के साथ होगा 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । नीमकाथाना के नजदीक राणासर में स्थित निर्झर धाम में रविवार को विशाल कलश यात्रा के साथ 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ की विधिवत् शुरूआत हो गई है। नागौर बल्डाधाम के महंत सीताराम दास महाराज के परम् सानिध्य में हो रहे श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ के तहत धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत रविवार से कलश यात्रा के साथ हो गई है। संजय शास्त्री ने बताया कि रविवार को सराय में स्थित सुंदरदास महाराज के मंदिर से विशाल गाजे-बाजे के साथ में महिलाओं ने कलश अपने सिर पर रखकर मुख्यमार्गो से होते हुए निर्झर धाम आश्रम तक यात्रा निकाली। महिलाएं नाचते गाते हुए जोश के साथ में कलश यात्रा में शामिल हुई। निर्झर धाम में स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में परिक्रमा करने के बाद यज्ञ शाला के नजदीक कलश को रखा गया। यज्ञाचार्य चिरंजीव शास्त्री के सानिध्य में विप्रजनों ने 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ में यजमानों की पूजा अर्चना करवाकर मंडप प्रवेश करवाया। यज्ञ प्रेमी मदनलाल भांवरिया ने बताया कि महायज्ञ के अवसर पर पहले दिन प्रातःदशविद्य स्नान, प्रायश्चित हवन, शोभायात्रा, 11सौ से अधिक महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली इसके बाद में मंडप प्रवेश के साथ ही देवताओं का आहवान् करके स्थापना की। शाम को संध्या आरती। सोमवार को प्रातः देव पूजा, अरणी मन्थन, अग्नि स्थापना, यज्ञ प्रारम्भ व संध्या आरती, 9मार्च से 15 मार्च तक प्रातः 9 से 12 बजे व दोपहर 3 से 6 बजे तक यज्ञ में आहुतियां दी जायेंगी। 16 मार्च को प्रातः 12:15 बजे देवपूजा के बाद पूर्णाआहुति होगी। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन भी होगा। धार्मिक कार्यक्रम में पधारे विप्रजनों व संतों का सम्मान भी किया जायेगा। इस दौरान मंदिर के महंत अवध बिहारीदास महाराज, यज्ञ प्रेमी मदनलाल भांवरिया, जयचंद रोहिलान, संजय शास्त्री, कैप्टन रामनिवास ताखर ,बजरंग पटेल, रामावतार गजराज, राजकुमार जाखड़, सहीराम भगत, रतनलाल शर्मा, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, महेन्द्र तेतरवाल, डॉ रामकुमार सिराधना , दीपचंद दादरवाल, धर्मेन्द्र मीणा, श्रीलाल यादव, सुरेश चोटिया, लक्ष्मण कुड़ी, नत्थूसिंह मीणा आदि मौजूद रहें।

सीतारामदास महाराज के सानिध्य में 106वां महायज्ञ

यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ने बताया कि सीतारामदास महाराज बल्डाधाम नागौर के सानिध्य में 105 महायज्ञ देश के विभिन्न राज्यों में सम्पन्न हो चूंके है। निर्झर धाम में चल रहा 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ 106वां है। सीताराम दास महाराज यज्ञ चक्रवती सम्राट हैं जो अपने जीवन में अभी तक 106 यज्ञ देश के महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, द्वारकाधीश,जगननाथपूरी, राजस्थान आदि प्रदेशों में सम्पन्न करवा दिये है।

महिला दिवस पर झुंझुनू में 'प्रबुद्ध भारत संगति' का आयोजन, समता-न्याय आधारित समाज के निर्माण पर मंथन

देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रबुद्धजनों ने महिला सशक्तिकरण और बौद्ध-अंबेडकर विचारधारा को अपनाने का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू।

अंतरराष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर झुंझुनू स्थित अंबेडकर भवन झुंझुनू में वी दा पीपल संगठन की ओर से राष्ट्रीय स्तर की 30वीं 'प्रबुद्ध भारत संगति' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता पर आधारित एक प्रबुद्ध समाज की स्थापना के लिए जनचेतना को मजबूत करना रहा। संगति में वक्ताओं ने कहा कि तथागत गौतम बुद्ध, डॉ भीमराव अंबेडकर और कांशीराम के विचार आज भी समाज को समानता और सामाजिक न्याय की राह दिखाते हैं। इनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक समतामूलक और जागरूक भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब महिलाओं को शिक्षा, समान अवसर और नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ने का अवसर मिले। इस अवसर पर महिलाओं को 'प्रबुद्ध भारत संगति किट' भेंट कर उनका सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला उद्योग महाप्रबंधक मनीराम देवरोड ने किया। संगति में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया। राजस्थान के जयपुर, अजमेर, बारा, बीकानेर, नागौर, भरतपुर और झुंझुनू सहित विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों ने संगति में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मदनलाल दूधवाला, हरि सिंह भूपेश, मालीराम वर्मा, बलवीर सिंह काला, सुरेश चोपड़ा, सहीराम तूंदवाल, धर्मपाल बौद्ध, नाथीसिंह, डॉ युवी सिंह (गाजियाबाद), डॉ कंचन लता (बुलंदशहर), डॉ यदूलाल (दिल्ली), डॉ जयकरण, डॉ शगुन सिंह पिलानी, प्रोफेसर जलाल सिंह, डॉ संपत बारूपाल, रामानंद आर्य, धर्मपाल शीला, बीएल बौद्ध, प्रोफेसर मोतीलाल आलडिया, डॉ देवेंद्र सिंह, इंजीनियर पूजा सिंह, डॉ जयप्रकाश नारायण, डीआर सुचिता नारायण, डॉ गोपाल गोयल, डॉ रमेश काडायला, एडवोकेट रघुनाथ बौद्ध, डॉ कृष्ण कुमार, सत्यनारायण गर्वा, अशोक कुमार गोठवाल, इंजीनियर अमित करोल, ओमप्रकाश सूनिया, ओमप्रकाश सेवदा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने समाज में जागरूकता, शिक्षा और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रबुद्ध भारत का सपना तभी साकार होगा जब हर व्यक्ति समानता, न्याय और मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाए।

नीमराना-माजरी कलां रोड पर भीषण सड़क हादसा: रिटायर्ड सूबेदार की मौत, दो घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे से माजरी कलां जाने वाले स्टेट हाईवे-111 ए पर रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। विजयसिंहपुरा के पास पेट्रोल पंप के सामने दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में सेना से रिटायर्ड सूबेदार की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। नीमराना थाने के एएसआई अशोक यादव ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे नीमराना-माजरी कलां रोड पर पेट्रोल पंप के सामने दो कारों की टक्कर हो गई। हादसे में सकतपुरा बावद निवासी लहरी सिंह (80) पुत्र भूरसिंह अहीर, जो सेना से रिटायर्ड सूबेदार थे, गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में अभिषेक (23) पुत्र सुरेंद्र और उसकी बहन सुधा (30) भी

घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए नीमराना के सोनी देवी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि सिर में चोट लगने के कारण सुधा का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार सकतपुरा निवासी लोग रिश्तेदारी में हरियाणा के शेखा मंडाना जा रहे थे, उसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस ने मृतक लहरी सिंह के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारू करवाया गया।

भाटी बंधुओं ने पिता केशरदेव की स्मृति में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ को 31 हजार रुपए का किया आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ निवासी पूना प्रवासी मनोज कुमार भाटी व युवा व्यवसायी मनीष कुमार भाटी ने अपने पिता स्व. केशरदेव भाटी की स्मृति में राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के निर्माण व विकास कार्य के लिए 31 हजार रुपए भेंट किए हैं ।

यह जानकारी देते हुए समिति के प्रवक्ता मनोज कुमार राकसिया ने बताया कि दोनों भाइयों ने छात्रावास के विद्यार्थियों की आवाज व्यवस्था, लाइब्रेरी, छात्रावास की योजना व निर्माण कार्य से प्रभावित होकर स्वयं की प्रेरणा से छात्रावास के बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की। उन्होंने बताया कि युवा व्यवसायी मनीष कुमार भाटी ने रविवार को छात्रावास पहुंच कर अपनी भावनाओं से अवगत कराते हुए छात्रावास का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर आर्थिक सहयोग करने की इच्छा जताई तथा खाते में हाथों हाथ राशि ट्रांसफर की। महामंत्री महेंद्र कुमार माली व कोषाध्यक्ष झाबरमल माली ने बताया रविवार को छात्रावास में आयोजित मीटिंग व होली स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान छात्रावास समिति की ओर से अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी के नेतृत्व में दानदाता मनोज कुमार मनीष कुमार भाटी का मोतियों की माला व दुपट्टा पहनाकर एवं छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, मार्गदर्शक पूर्णमल राकसिया, समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट अनिल कुमार मैनेजर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी प्रवक्ता मनोज राकसिया, विनोद कुमार गौड़, महावीर जाजम, बाबूलाल सैनी, युवराज, गोविंद कुमार, अनिल कुमार, अंकित, संदीप कुमार सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे। इससे पूर्व छात्रावास प्रांगण में समिति की मीटिंग अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित हुईं। मीटिंग में विभिन्न समितियों के गठन, छात्रावास की गतिविधियों,भावि योजना, निर्माण कार्य, अर्थ संग्रह के बारे में चर्चा परिचर्चा की गई तथा होली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया है। संचालन सज्जन कुमार सैनी ने किया।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान ने लावारिस युवक को परिवार से मिलाया, मानवता की मिसाल पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना ने मानव सेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए करीब एक वर्ष से अपने परिवार से बिछड़े एक युवक को उसके परिजनों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया है। युवक के परिवार से मिलने पर भावुक माहौल बन गया और परिजनों ने संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार बरसात के दौरान लगभग नौ माह पूर्व ग्राम पंचायत जुझारपुर (सिंघाना के पास) में एक युवक लावारिस और असहाय अवस्था में भटकता हुआ मिला था। स्थानीय लोगों की सूचना पर उसे श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना लाया गया। उस समय युवक मानसिक रूप से असंतुलित था और अपना नाम-पता बताने की स्थिति में नहीं था। संस्थान ने मानवता के आधार पर उसे आश्रय दिया और उसके उपचार व देखभाल की व्यवस्था की। लगातार उपचार और देखभाल के बाद धीरे-धीरे उसकी स्मरण शक्ति वापस आने लगी। इसके बाद युवक

ने बताया कि वह बिहार के अकबरपुर क्षेत्र का रहने वाला है। संस्थान ने उसकी बताई जानकारी के आधार पर परिवार की तलाश शुरू की और करीब एक माह के प्रयास के बाद पता चला कि युवक बिहार के जिला पूर्णिया के थाना भवानीपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत अकबरपुर का निवासी है। युवक का नाम अशोक है, जो बिहार में मिस्त्री का काम करता था।

परिवार से संपर्क होने के बाद भावुक दृश्य देखने को मिला। अशोक पांच बहनों का इकलौता भाई है और उसकी एक पांच वर्ष की बेटी भी है, जो लंबे समय से अपने पिता के लौटने का इंतजार कर रही थी। बेटे के मिलने की खबर से पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। पिता जम्मू मंडल जब संस्थान पहुंचे और बेटे को देखा तो उनकी आंखें नम हो गईं। मां और बहन रेखा भी बेटे और भाई को पाकर भावुक हो उठीं। पूरी प्रक्रिया पुलिस सत्यापन के बाद पूरी की गई और युवक को विधिवत रूप से उसके परिवार को सौंप दिया गया। इस अवसर पर नरेश प्रकाश बोहरा, मास्टर सहीराम तूंदवाल, योगेंद्र पाल यादव, संदीप जांगिड़, शिवचरण सिंह जांगिड़, संदीप रोहिल्ला, संस्था निदेशक डॉ. संदीप कुमार सहित संस्थान के कार्यकर्ता मनीषा चौधरी, सविता कुमारी, दिनेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संस्थान के इस मानवीय कार्य की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

जीवन में उमंग,उत्साह,ओर सकारात्मकता के नए रंग भरता है रंग पंचमी का पर्व- पारीक

गोपीनाथ जी मंदिर में देवता होली रंग पंचमी मनाई उल्लास के साथ

राधा कृष्ण संग खेली फूलों की होली

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पर्यटन नगरी मंडावा में त्योहार का बेहद खास महत्व रखने वाला रंग पंचमी का पर्व आज गढ़ परिसर में स्थित गोपीनाथ जी मंदिर में मुख्य पुजारी अरविंद पारीक के सानिध्य में बड़े ही धूमधाम ओर उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने राधा कृष्ण संग फूलों ओर अबीर के साथ होली खेली। मंदिर के पुजारी अरविंद पारीक ने बताया कि यह पर्व हर साल चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को होली के पांच दिनों बाद मनाया जाता है। इसी दिन राधा रानी और भगवान कृष्ण ने होली खेली थी। उन्होंने बताया कि इस दिन देवी-देवता

धरती पर आते हैं। ऐसे में इस दिन भगवान की श्रद्धापूर्वक आराधना करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।रंग पंचमी का पर्व जीवन में उमंग,उत्साह,ओर सकारात्मकता के नए रंग भरता है। सुषमा पारीक ने भी पर्व की महत्वत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रंग पंचमी एक पवित्र त्योहार है। देवता धरती पर आकर भक्तों के साथ होली खेलते हैं, इसलिए इसे 'देव पंचमी' या 'देव रंग पंचमी' भी कहते हैं। यह मुख्य रूप से देवताओं की होली मानी जाती है, जहाँ राधारानी-श्रीकृष्ण को अबीर-गुलाल अर्पित किया जाता है और हवा में गुलाल उड़ाकर वातावरण को सकारात्मक व शुद्ध किया जाता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य रूप से राधा-कृष्ण, विष्णु और लक्ष्मी माता की पूजा की गई। उन्होंने बताया कि देवी-देवताओं को अबीर-गुलाल अर्पित करने से कुंडली दोष कम होते हैं और सुख-समृद्धि बढ़ती है। इस अवसर पर मंदिर में आकर्षक सजावट के साथ साथ अन्य धार्मिक कार्यक्रमो का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद गोविंद जोशी, किशोर सिंह, किशोर थलिया, मनोज शर्मा, दुर्गेश शर्मा,शरद शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के औद्योगिक निर्यात संवर्धन पार्क स्थित एस.आर.आई. गोटेक कंपनी में महिला दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के प्रति सजग बनाना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीमराना पुलिस उपाधीक्षक चारुल गुप्ता ने महिलाओं को अपने आंतरिक भय से मुक्त होकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में महिलाएं पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1098, 112 और 1090 पर संपर्क कर सकती हैं। साथ ही उन्होंने महिलाओं को अपने स्मार्टफोन में राजकॉप सिटीजन एप डाउनलोड कर किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचाने की सलाह दी, ताकि समय रहते सहायता मिल सके। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद राजस्थान चैप्टर की स्थायी सदस्य एवं आर.के.जी.के. रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन की संस्थापक रुकमणी कौशिक ने कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाली बदसलूकी, छेड़छाड़ या शारीरिक संबंध बनाने

के लिए मजबूर करने जैसे मामलों में पोश एक्ट 2013 के तहत शिकायत करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। कंपनी के महाप्रबंधक मनोज श्रीवास्तव ने कार्यस्थल पर सम्मानजनक वातावरण बनाए रखने और भाई-बहन जैसे संबंधों के साथ उद्योग परिवार की गरिमा बनाए रखते हुए सुरक्षित माहौल में उत्पादन में योगदान देने का आह्वान किया। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक ने कहा कि आज की नारी सबला है। उन्होंने महिलाओं से संस्कारों को बनाए रखते हुए परिवार और समाज की मजबूत नींव रखने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने बच्चों और स्वयं को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से दूर रखने की भी सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने केक काटकर एक-दूसरे को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मानव संसाधन प्रबंधक एवं एचआर फोरम ऑफ नीमराना एनसीआर के महासचिव लोकेश खंडेलवाल, हीलियस पैकेजिंग के वरिष्ठ मानव संसाधन प्रबंधक प्रदीप मदान, पुलिस महिला सखी टीम की संतोष देवी तथा पीआरओ विकास कुमावत, कुलदीप कुमार, सरोज, अनिता, मनीषा, मुस्कान, रेणु, सपना सहित बड़ी संख्या में महिला श्रमिक और कर्मचारी उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोनी देवी हॉस्पिटल में महिला स्टाफ का सम्मान, डॉ. दीपिका यादव को साफा व मोमेंटो भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नीमराना में नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में सोनी देवी हॉस्पिटल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. दीपिका यादव सहित महिला स्टाफ का सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने डॉ. दीपिका यादव को साफा, माला और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही अस्पताल

में कार्यरत सभी महिला स्टाफ को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विशेष रूप से चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में महिला स्टाफ मरीजों की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, जयपाल, उदय सिंह, मुकेश शर्मा, महेश सैनी, डॉ. सूर्या यादव, डॉ. गजराज यादव, डॉ. ओमेश (गायनिक), डॉ. हिमानी खंडेलवाल (यूएसजी), डॉ. दीपक, डॉ. विक्रांत, डॉ. विनोद, मनोज, मंजू, मोनिका, ज्योति, प्रतिमा, रीना, रेणु सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में सभी ने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा व विधायक राजेंद्र मीणा ने पाडली में किया सीसी सड़क का लोकार्पण

सुड्डा दंगल में लिया भाग,घोड़ी पर बिठाकर बैंड-बाजे के साथ हुआ स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा उपखंड क्षेत्र के ग्राम पाड़ली में रविवार को विकास कार्यों और ग्रामीण लोक परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री किरोडीलाल मीना तथा क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीना ने नेशनल हाईवे-21 से पाड़ली गांव तक बनी सीसी सड़क का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर गांव में पारंपरिक उत्साह का माहौल रहा और ग्रामीणों ने दोनों जनप्रतिनिधियों का घोड़ी पर बैठाकर बैंड-बाजे के साथ नेशनल हाईवे से कार्यक्रम स्थल तक भव्य स्वागत किया। गांव के पंच-पटेलों और ग्रामीणों ने पुष्पहार पहनाकर अतिथियों का अभिनंदन करते हुए पाड़ली को पुनर्गठन में नवीन ग्राम पंचायत बनाने तथा गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान

ग्रामीणों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने पूरे आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। इस अवसर पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और सरकार ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने पाड़ली गांव में आयोजित सुड्डा दंगल में भी भाग लिया और पारंपरिक लोकगीतों तथा ग्रामीण संस्कृति के रंगों का आनंद लिया। मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध लोक परंपरा को जीवित रखने का सशक्त माध्यम हैं और समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। उन्होंने कहा कि सुड्डा दंगल जैसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित होती है तथा समाज में आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द भी मजबूत होता है। वहीं विधायक राजेंद्र मीणा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता के सहयोग और विश्वास से उन्हें विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है और वे सदन में क्षेत्र की आवाज बनकर हर गांव के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि पाड़ली गांव में आयोजित स्वागत-सम्मान समारोह, विशाल सुड्डा दंगल और सीसी सड़क निर्माण कार्य के लोकार्पण कार्यक्रम में आमंत्रित कर ग्रामीणों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है, उसके लिए वे पूरे गांव के आभारी हैं। विधायक ने आश्वस्त किया कि विधानसभा क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान अनेक जनप्रतिनिधि, गांव के पंच-पटेल तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और पूरे आयोजन में पारंपरिक उत्साह तथा ग्रामीण एकता का वातावरण देखने को मिला।

उलाहेड़ी में यादव विकास समिति की बैठक, सामाजिक कुरीतियों को छोड़ने और शिक्षा को बढ़ावा देने पर सहमति

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड क्षेत्र के उलाहेड़ी स्थित पहाड़ी वाले बाबा मंदिर में रविवार, 8 मार्च को यादव विकास समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता यादव समाज के अध्यक्ष देशराज यादव ने की। बैठक में समाज के गणमान्य लोगों ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। यादव समाज मुंडावर के उपाध्यक्ष मनीष यादव मुण्डनवाड़ा ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर दिया गया। इसमें मृत्यु भोज को बंद करने, गरीब विद्यार्थियों को उच्च्य शिक्षा निःशुल्क दिलाने, तथा गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग के लिए अतिरिक्त कोष की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा भात नोतने के दौरान बहन-बेटियों से बर्तन नहीं लेने, शादी समारोह में डीजे रात 10 बजे तक ही

बजाने, विवाह समारोह में बार (शराब) व्यवस्था बंद करने, तथा किन्नर समाज को बधाई के रूप में 2100 रुपये देने जैसे प्रस्तावों पर भी सहमति बनी। बैठक में यह भी तय किया गया कि यादव समाज के सभी गांवों में समाज की कार्यकारिणी और गणमान्य लोग जाकर सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके लिए स्थानीय ग्रामीणों की कमेटियां गठित की जाएंगी।

आगामी बैठकों के लिए भी कार्यक्रम तय किया गया, जिसमें 5 अप्रैल को सियाखोह गांव, 19 अप्रैल को जालावास, मोलावास और मनेठी, तथा 25 अप्रैल को जालावास की चौपाल पर बड़ी बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर सचिव जगदीश प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष मनीष मुण्डनवाड़ा, कोषाध्यक्ष रविन्द्र मनेठी, भीमराज पार्षद, बाबूलाल (पूर्व पार्षद), सुबेसिंह यादव भुनगड़ा अहीर, किसान नेता रामभरोस यादव, मीडिया प्रभारी धाकड़ यादव, ब्रह्मप्रकाश सेक्रेटरी, रमेश (प्रधानाचार्य), सतीश गुरुजी, प्रमोद, सुल्तान सिंह, घीसाराम आमोठ, सुबेसिंह नाहरखेड़ा, रामकिशन(पूर्व नायब तहसीलदार), जितेंद्र मुंडियाखेड़ा, राजेंद्र यादव, रविन्द्र हाडाहेड़ी, करण सिंह (ठेकेदार), राजाराम मास्टर सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ता की बेटी की सगाई में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

आतिशबाजी के बीच हुआ जोरदार स्वागत।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर/ महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के टिकरी किलानोत गांव में रविवार को एक भाजपा कार्यकर्ता के यहाँ आयोजित सगाई समारोह उस समय विशेष बन गया जब राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोडीलाल मीना अपने गृह क्षेत्र के दौरे के दौरान समारोह में शामिल हुए। मंत्री के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक व मंत्री के भतीजे राजेन्द्र मीना भी उनके साथ मौजूद रहे और दोनों जनप्रतिनिधियों का रंगारंग आतिशबाजी के साथ जोरदार अभिनंदन किया गया, जिससे पूरे गांव में उत्सवी माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जयपुर से

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे मार्ग से अपने महवा क्षेत्र के दौरे पर टिकरी किलानोत पहुंचे। यहां उन्होंने ग्राम पंचायत टिकरी के प्रशासक की बेटी के सगाई समारोह में शिरकत कर परिवार को शुभकामनाएं दीं। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम सामाजिक और जनसंवाद का भी केंद्र बन गया।

पारिवारिक आयोजन के दौरान मंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क, पानी और स्थानीय विकास से जुड़ी विभिन्न समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। इस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने के साथ समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक मनोहरलाल मीणा, मंडावर थानाधिकारी प्रवीण मीणा, पूर्व सरपंच रामसिंह मीणा उकरूंद, पूर्व सरपंच एडवोकेट कुसुमलता मंडावर, डी.के. रायपुर, राजेश, सतीश सैनी, मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण आदि मौजूद रहे। समारोह के बाद मंत्री का काफिला क्षेत्र के पाड़ली गांव के लिए रवाना हुआ, जहां उन्होंने अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

टोहाना के होली हार्ट स्कूल में किड्ज टैलेंट हंट का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । होली हार्ट स्कूल में किड्ज टैलेंट हंट फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद वाइस चेयरपर्सन नीरू सैनी ने दीप प्रज्वलित करके किया।प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न भेषभूषा में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने शेर, वानर, परी, जल बचाओ, पुलिस ,भारतीय सेना और मॉडल सहित कई आकर्षक रूप धारण कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में शेर की भूमिका निभाने वाला नन्हा छात्र दिव्यम प्रथम स्थान पर रहा। वानर की एक्टिंग करने वाला युहान द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि मॉडल बनी छात्रा निहारिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर महिला दिवस मनाया गया जिसमें उपस्थित महिलाओं ने फन्नी गेम्स में भाग लिया। जिसमे मैडम वधवा विजेता रही। नप वाईस चेयरपर्सन नीरू सैनी ने उन्हें सम्मानित किया।कोऑर्डिनेटर पायल मेहता ने सभी प्रतिभागियों और विजेता बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नप वाइस चेयरपर्सन नीरू सैनी ने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच देने की होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की

सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के रचनात्मक आयोजन बच्चों के लिए बहुत प्रेरणादायक होते हैं।

यूपीएससी में चयनित प्रीति जेवरिया का तातीजा गांव में भव्य सम्मान, रैली निकालकर मंदिर में लिया आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी क्षेत्र के तातीजा गांव की बेटी प्रीति जेवरिया के संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में चयन होने पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य सम्मान किया गया। इस दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रीति की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की।सम्मान समारोह के दौरान ग्रामीणों ने प्रीति जेवरिया तथा उनके माता-पिता को साफा और मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया। लोगों ने कहा कि प्रीति ने अपनी कड़ी मेहनत, संस्कारों और माता-पिता के मार्गदर्शन से यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर गांव, क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। समारोह के बाद ग्रामीणों ने प्रीति जेवरिया को रैली के रूप में बाबा भैया मंदिर तक ले जाकर पूजा-अर्चना करवाई, जहां उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच हुक्मीचंद ने कहा कि प्रीति जेवरिया की सफलता से पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है और यह गांव की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी। वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। मेहनत, आत्मविश्वास और अवसर मिलने पर महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, खेल, सेना और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। समाज और परिवार के सहयोग से महिलाएं हर ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं और प्रीति जेवरिया की सफलता इसका सशक्त उदाहरण है।

इस दौरान प्रीति जेवरिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार और शिक्षकों को दिया। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और निरंतर मेहनत की जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने महिलाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और निरंतर प्रयास करते हुए हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में सेवानिवृत्त थानाधिकारी ईश्वर सिंह गोठड़ा, ओमप्रकाश जेवरिया, मुकेश बनेटीवाल, रमेश मेघवाल, लीलाधर बायलिया गोठड़ा, कपिल सुनिया, राकेश तातीजा, पूर्व सरपंच हुक्मीचंद देवता, अमित मरोडिया सहित कई गणमान्य लोगों ने प्रीति जेवरिया के घर पहुंचकर उन्हें माला, साफा और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रक्तदान से समाज में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को मिलता हैं प्रोत्साहन: डीसी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला नागरिक अस्पताल में लगाया गया रक्तदान शिविर

महिलाओं के सम्मान और जीवन बचाने के संदेश के साथ किया गया रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद,/टोहाना।

रजत विजय रंगा । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जिला नागरिक अस्पताल फतेहाबाद के ब्लड सेंटर में एक विशेष नारी शक्ति रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के सम्मान और समाज सेवा के संदेश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला प्रतिभागियों सहित अन्य नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि रक्तदान एक महान सेवा है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। डीसी ने ारी शक्ति को सलाम करते हुए उनके साहस और दृढ़ता की सराहना की। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि राज्य सरकार

शिक्षा, उद्यमिता, कृषि, प्रौद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न पहलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिला प्रशासन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियां के लिए उन्हें नमन करता है। डीसी ने कहा कि यह शिविर समाज में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने जिले के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने रक्तदान शिविर में पहुंचकर जरूरतमंदों के जीवन को बचाने के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। रक्तदान शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. तरुण ने बताया कि 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर 8 मार्च को हरियाणा में हर जिले में महिला स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का आयोजन हरियाणा राज्य रक्त संचरण परिषद और स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की देखरेख में हुआ। डॉ. तरुण ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। शिविरों में महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

आबूसर में सोलर ऊर्जा प्लांट का उद्घाटन: कालीपहाड़ी पंचायत में विधायक राजेन्द्र भाम्बू का नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत आबूसर में जयसिंह झाझड़िया द्वारा स्थापित नव निर्मित सोलर ऊर्जा प्लांट का उद्घाटन माननीय विधायक राजेन्द्र भाम्बू एवं भाजपा राजस्थान के प्रदेश महामंत्री श्रवण बागड़ी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पंचायत क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम में मंचस्थ श्रवण सिंह बागड़ी, बी.एल. चौधरी (एसई, सोलर एवीवीएनएल), शिवकरण जानू, आबूसर? सरपंच रोहताश, सरपंच ओम मोगा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में रामकुमार झाझड़िया (एक्सईएन), राजेश पूनिया (एसई), नंदलाल चौधरी, लक्ष्मी कुलहरी, जैलाल, दौलतराम, नरेश, माखन, सोहनलाल, जसवंत, भागीरथ ठाकरान, देवकरण ठाकरान, इन्द्राज ठाकरान, केसरदेव कुलहरी, अमरसिंह, जसवंत किसान, रणवीर तेतरवाल, सुल्तान जांगिड़ सहित लगभग

ग्राम पंचायत आबूसर के सभी गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

इसके पश्चात नवगठित कालीपहाड़ी ग्राम पंचायत में ग्रामीणों द्वारा विधायक राजेन्द्र भाम्बू का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि यशपाल ने की तथा निवर्तमान चेयरमैन बगड़ नगर पालिका गोविन्द सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इस अवसर पर रोहिताश सिंह, संतोष सिंह, सायर सिंह, कैप्टन जयवीर सिंह, रविन्द्र सिंह, बलदेव सिंह, दिनेश सिंह, बनवारी सिंह, राजेन्द्र सिंह, लोकेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, शक्ति सिंह, सन्तकुमार, प्रेम सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए विधायक राजेन्द्र भाम्बू का स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

पटवार भवन फतेहाबाद में विशेष कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस* के दिशा-निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पटवार भवन फतेहाबाद में महिलाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें साइबर अपराधों से बचाव और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन साइबर थाना फतेहाबाद की टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर थाना फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने उपस्थित महिलाओं को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें इंटरनेट व सोशल मीडिया का

सुरक्षित तरीके से उपयोग करने के लिए जागरूक किया। महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने बताया कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों जैसे फर्जी कॉल, मैसेज, फेक लिंक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इसलिए किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर तुरंत भरोसा न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक डिटेल या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को डिजिटल अरेस्ट जैसे नए प्रकार के साइबर फ्रॉड के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि कई बार साइबर ठग स्वयं को पुलिस या किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास करते हैं और पैसे की मांग करते हैं। ऐसे मामलों में घबराने की बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना से संपर्क करना चाहिए। महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने उपस्थित महिलाओं से अपील की कि वे स्वयं भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जागरूक करें, ताकि साइबर अपराधियों के मंसूबों को विफल किया जा सके। साइबर थाना फतेहाबाद की टीम ने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकें।

व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग 9 मार्च को टोहाना में व्यापारियों की मीटिंग लेंगे -प्रदेश प्रवक्ता पवन वधवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता पवन?

वधवा व टोहाना व्यापार मंडल के प्रधान राजेंद्र ठकराल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग 9 मार्च को टोहाना के होटल सम्राट विंग में व्यापारियों की मीटिंग लेंगे और उसके उपरांत प्रातः 11:00 बजे पत्रकारों से रूबरू होंगे। पवन वधवा व राजेंद्र ठकराल ने कहा कि हरियाणा में व्यापार व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल लगभग 40 सालों से प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग के नेतृत्व में व्यापारियों की आवाज बुलंद कर रहा है और व्यापारियों के हक में लगातार संघर्ष कर रहा है ताकि व्यापार करने में व्यापारियों को किसी प्रकार की दिक्कत ना आए।

यूपीआई फ्रॉड के नए 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' से सावधान रहें: एसपी सिद्धांत जैन की एडवाइजरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

जिले में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) ने आमजन के लिए जनहित एडवाइजरी जारी कर यूपीआई के माध्यम से होने वाली एक नई ठगी तकनीक 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग लोगों की जल्दबाजी और भ्रम का फायदा उठाकर उनके बैंक खातों से बड़ी रकम हड़पने की कोशिश कर रहे हैं।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस प्रकार की ठगी में साइबर अपराधी पहले किसी व्यक्ति के यूपीआई खाते में जानबूझकर 1 या 2 रुपये जैसी बहुत छोटी राशि भेजते हैं। इसके बाद ठग फोन कॉल या मैसेज के माध्यम से संपर्क कर यह कहते हैं कि गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं और उन्हें

वापस कर दें। जैसे ही व्यक्ति बैलेंस चेक करने या पैसे लौटाने के लिए अपना यूपीआई ऐप खोलता है, उसी समय ठग द्वारा भेजी गई मनी रिक्वेस्ट जल्दबाजी में स्वीकार हो जाती है। व्यक्ति जैसे ही यूपीआई पिन दर्ज करता है, उसके खाते से बड़ी राशि ठग के खाते में ट्रांसफर हो जाती है।एसपी सिद्धांत जैन ने लोगों को इस प्रकार की साइबर ठगी से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि खाते में अचानक कोई छोटी राशि आती है तो घबराने की आवश्यकता नहीं है और तुरंत यूपीआई ऐप खोलने से बचना चाहिए। कम से कम 30 मिनट का इंतजार करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई मनी रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें और याद रखें कि पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी यूपीआई पिन डालने की आवश्यकता नहीं होती। संदिग्ध कॉल या मैसेज करने वाले नंबर को तुरंत ब्लॉक कर दें और किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय यूपीआई लेन-देन करने से भी बचना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपने बैंक से जुड़े संदेशों और खाते के लेन-देन की नियमित जांच करने की भी अपील की है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता चल सके। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ यूपीआई या अन्य प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या ष्4इद्रहृष्ह्लद्वद्वद्व.द्श1.द्वङ्ग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को सुरक्षित करने की संभावना बढ़ जाती है। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सतर्कता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या मनी रिक्वेस्ट से सावधान रहें और इन सुरक्षा निर्देशों का पालन कर साइबर ठगी से खुद को सुरक्षित रखें।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए, तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छठवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनका खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)

जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)

क्रिस गेल-47 गेंदों में बनाम इंग्लैंड (2016)

क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)

हैरी ब्रुक- 50 गेंदों में बनाम पाकिस्तान (2026)

ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है। के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिर्वसिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है। शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

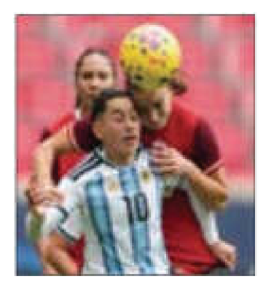

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था। रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था।

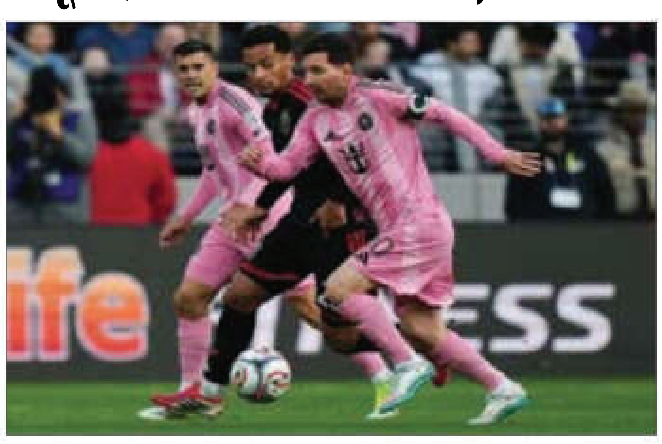

मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन–यी ने दी मात

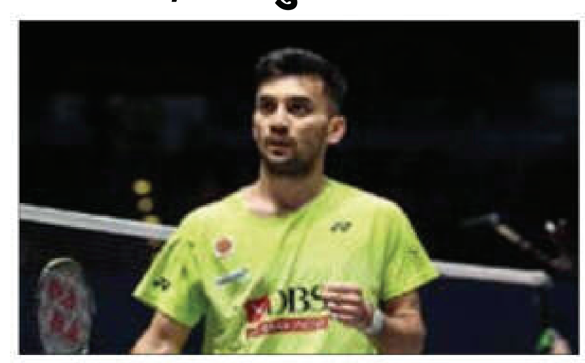

बर्मिंघम। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन–यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15–21, 20–22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर–अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11–0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0–11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5–0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं। सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

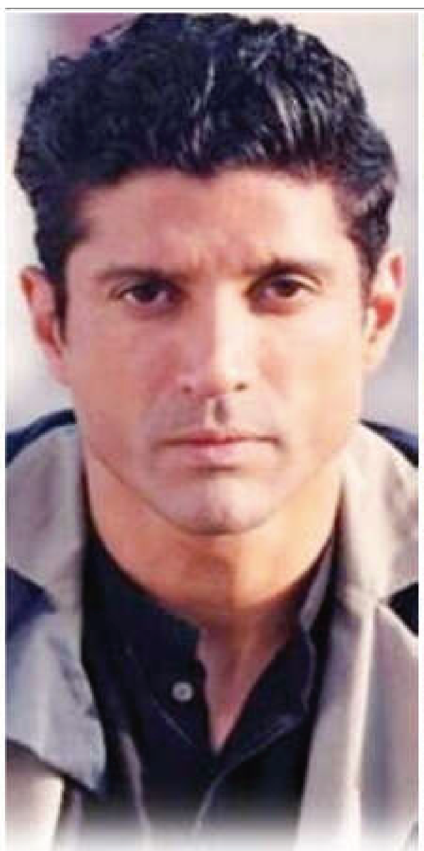

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरु हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कंटेस्टेंट प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा की कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं भी एक जैसी नहीं है। वो पर्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदख्शी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरु हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छोरियां चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।

अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'। फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वारसी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरी हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स

प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेन्नई एक्सप्रेस' (डांस नंबर) और मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

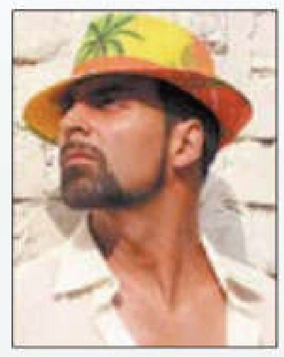

पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान–अफगानिस्तान के बीच सुलह के लिए आगे आया रूस, विदेश मंत्रियों ने की बातचीत

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान काबुल और इस्लामाबाद के बीच जारी तनाव के साथ–साथ ईरान पर अमेरिका–इस्राइल के हमलों के बाद की स्थिति पर भी चर्चा की गई। रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, लावरोव ने काबुल और इस्लामाबाद के बीच मतभेदों को राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से सुलझाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की, जिसमें ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई के बाद के प्रभावों का भी जिक्र हुआ। इसके अलावा अफगानिस्तान–पाकिस्तान संबंधों में सैन्य और राजनीतिक तनाव कम करने की संभावनाओं पर भी बात की गई। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले बुधवार को रूस के विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा था, 'अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर जारी झड़पों को लेकर हम चिंतित हैं।

अमेरिका –वेनेजुएला के रिश्तों में नई शुरुआत ? : राजनयिक संबंध बहाल करने पर सहमति : अमेरिकी विदेश मंत्रालय

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों ने राजनयिक और कांसुलर संबंध फिर से स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिकी देश में एक नई सरकार के चुनाव के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, यह कदम वेनेजुएला में स्थिरता को बढ़ावा देने, आर्थिक सुधार का समर्थन करने और राजनीतिक सुलह को आगे बढ़ाने के हमारे संयुक्त प्रयासों को सुगम बनाएगा। हमारी भागीदारी वेनेजुएला के लोगों को एक चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद करने पर केंद्रित है जो लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन की स्थिति का निर्माण करती है। महीनों के तनाव के बाद अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद देश में कई बदलाव हुए जिनमें अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का शपथ ग्रहण भी शामिल है।

कनाडा में भारतीय मूल की इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की हत्या

टोरंटो, एजेंसी। भारतीय मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना मंगलवार शाम विंडसर के पास हुई। नैन्सी की मां शिंदर पाल ग्रेवाल का आरोप है कि हमलावरों ने उनकी बेटी पर 18 बार चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। परिवार के अनुसार, यह हमला किसी पुराने विवाद के कारण किया गया। परिजनों का कहना है कि नैन्सी मूल रूप से लुधियाना जिले के नरंग गांव की रहने वाली थीं। वह कनाडा में एक मरीज से मिलने गई थीं। घर के बाहर निकलते ही कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। मां ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने ऐसी जगह पर वारदात को अंजाम दिया जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, जिससे साफ है कि हमला पहले से योजनाबद्ध था। परिवार के मुताबिक, नैन्सी का विवाद एक गुरुद्वारे से जुड़े कुछ लोगों के साथ चल रहा था। आरोप है कि उन्होंने गुरुद्वारे के राशन की चोरी का मुद्दा उठाया था और वहां कैमरे लगवाने में मदद की थी। उनकी मां का कहना है कि इसी विवाद के बाद उन्हें धमकियां मिलने लगी थीं। 45 वर्षीय नैन्सी ग्रेवाल पेशे से नर्स थीं और दो कंपनियों में काम करती थीं, जहां वे अक्सर 16 घंटे तक की शिफ्ट करती थीं।

अमेरिका ने इक्वाडोर में की सैन्य कार्रवाई, नार्को–आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को–आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउदर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को–आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं।' मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को–आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।' साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को–आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया।

बालेन शाह की 'सुनामी' में उड़े नेपाल के कई दिग्गज, बहुमत की ओर आरएसपी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के संसदीय चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों ने दक्षिण एशिया की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है। 150 निर्वाचन क्षेत्रों में जारी मतगणना में रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी ने अभूतपूर्व बढ़त बना ली है। नेपाल की युवा पीढ़ी ने पारंपरिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी) और यूएमएल को पूरी तरह नकारते हुए बदलाव के पक्ष में वोट दिया है। 275 सीटों वाली प्रतिनिधि सभा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 108 सीटों पर आगे है। नेपाली कांग्रेस (एनसी) और सीपीएन-यूएमएल 12-12 सीटों पर आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी - संयुक्त मोर्चा) के खाते में फिलहाल सिर्फ 9 सीटें जाती दिख रही हैं। सबसे बड़ी खबर झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आ रही है, जहां 35 वर्षीय रैपर से नेता बने बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली पर एक मजबूत बढ़त बना ली है।

के.पी. ओली के अलावा, शेर बहादुर देउबा की कांग्रेस के शेखर कोइराला, अरबपति विनोद चौधरी, विष्णु पौडेल, राजेंद्र लिंगदेन और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल जैसे दिग्गज अपनी सीटों पर पिछड़ रहे हैं। पुराने नेताओं में केवल पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ही अपनी साख बचाते दिखे हैं। उन्हें पूर्वी रुकुम सीट से विजयी घोषित किया गया है।

आरएसपी की जीत के मायने : भारत सरकार के रणनीतिक गलियारों में इस जीत को बहुत बारीकी से देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंध सीमा विवाद और चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। बालेन शाह और रवि लामिछाने की जोड़ी को व्यावहारिक और राष्ट्रवादी माना जाता है। भारत यह देखेगा कि क्या बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति को फिर से संतुलित करेगा या चीन के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा। नेपाल की संसद की 165 सीटें 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' (प्रत्यक्ष चुनाव) के तहत आती हैं, जिनके परिणाम शनिवार तक स्पष्ट हो जाएंगे। शेष 110 सीटें 'समानुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रणाली के माध्यम से भरी जाएंगी, जहां पार्टियों को मिलने वाले कुल वोटों का प्रतिशत उनकी अंतिम ताकत तय करेगा।

कैसे शुरू हुआ राजनीतिक सफर : बालेन शाह का यह सफर आसान नही रहा है। साल 2022 में रैप की दुनिया से पहचान बनाने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर बालेन शाह ने उस वक्त सबको चौंका दिया था, जब उन्होंने नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों को हराकर काठमांडू के मेयर का पद जीता। उनका चुनाव चिह्न छड़ी था। उन्हें चुनाव में 61,767 वोट मिले। उन्होंने नेपाली कांग्रेस की सिर्जना सिंह को हराया, जिन्हें 38,341 वोट मिले थे। वहीं, सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवार और पूर्व मेयर केशव स्थापित को 38,117 वोट मिले। अब चार साल बाद 35 साल के बालेन शाह देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। उनकी यह सफलता अचानक नहीं मिली है। साल 2013 में वह 'रॉ बर्ज' रैप बैटल से मशहूर हुए थे। मेयर बनने से पहले उन्होंने ढाई साल तक जमीन पर काम किया। उन्होंने हिमालयन व्हाइट हाउस कॉलेज से इंजीनियरिंग की और भारत से मास्टर डिग्री ली। उनकी पढ़ाई और तकनीकी समझ ने जनता का भरोसा जीता।

दशकों पुराने ओली के दबदबे को किया खत्म : बालेन की राजनीतिक रणनीति बहुत सोची-समझी रही है। सितंबर के विरोध प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत के बाद केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। उस समय युवाओं ने बालेन को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए कहा। बालेन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। उन्होंने छह महीने की अस्थायी सरकार के बजाय पांच साल के पूर्ण कार्यकाल को चुना।

18 जनवरी 2026 को बालेन औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) में शामिल हो गए। उन्होंने अगले ही दिन जनकपुर से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया। उन्होंने झापा-05 सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह इलाका दिग्गज नेता केपी शर्मा ओली का गढ़ माना जाता है। जानकारों का मानना है कि बालेन की लोकप्रियता ओली के दशकों पुराने दबदबे को खत्म कर दी है।

एपस्टीन फाइल- ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप:नए दस्तावेज में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली।

ट्रम्प की फाइल दबाने का आरोप : अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाईं, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में

जवाब देना होगा। महिला का आरोप- एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में एफबीआई ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्म ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था। महिला का यह भी दावा है कि पिछले कई सालों में उसे और उसके करीबी लोगों को चुप रहने के लिए धमकी भरे कई फोन कॉल भी आए थे। महिला का मानना है कि ये कॉल एपस्टीन से जुड़े लोगों की तरफ से हो सकते थे।

ईरान में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट, रेजा पहलवी का दावा- लोगों ने मुझे लीड करने को कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के अंतिम शाह के बेटे और निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश जारी कर मध्य पूर्व के अरब देशों पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की है। पहलवी ने इन हमलों को संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन बताते हुए घोषणा की कि उन्होंने ईरानी जनता के उस जनादेश को स्वीकार कर लिया है, जो उन्हें इस्लामिक गणराज्य के पतन के बाद देश का नेतृत्व करने के लिए दिया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (ؤश्च), बहरीन, कतर, कुवैत, ओमान, जॉर्डन, इराक और सऊदी अरब पर दागी गई मिसाइलें इस शासन की दशकों पुरानी आक्रामक नीति का हिस्सा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'इस्लामिक गणराज्य ने हमारे अरब पड़ोसियों को निशाना बनाया है। यह इस शासन का असली चेहरा है जिसने पाँच दशकों से क्षेत्र में रक्तपात और अराजकता फैला रखी है। यह अब समाप्त होना चाहिए। क्राउन प्रिंस ने एक व्यवस्थित संक्रमण का वादा किया है। उन्होंने कहा कि वे प्रशासनिक ढांचे और लोक सेवकों को

बनाए रखेंगे ताकि देश में स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि भविष्य का फैसला मतपेटी से होगा। विचारधारा के निर्यात के बजाय पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित कूटनीति की बात उन्होंने की। शासन के गिरने के बाद वे परिवर्तन प्रक्रिया का नेतृत्व करेंगे। पहलवी ने अरब देशों से आह्वान किया कि वे भविष्य की 'संक्रमणकालीन सरकार' को मान्यता देने और उसके साथ जुड़ने के लिए तैयार रहें। उन्होंने एक ऐसे मध्य पूर्व के निर्माण का आह्वान किया जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया महायुद्ध की आग में जल रहा है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में खामेनेई और शीर्ष सैन्य कमांडरों की मौत हो गई।

हफ्ते भर के युद्ध में ही हिल गई दुनिया, ईरान संकट के बीच बहुत कुछ बदल गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के युद्ध को आज एक सप्ताह पूरा हो रहा है। एक सप्ताह में ही इस युद्ध का असर पूरी दुनिया में पड़ा है। एक तरफ यूरोप से लेकर एशिया तक की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं तो दूसरी ओर खाड़ी देशों में हमले भी खूब हुए हैं जिनमें जान और माल दोनों का नुकसान हुआ है। खाड़ी देशों में फंसे पर्यटक अब भी संकट का सामना कर रहे हैं। ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले किए थे जिनमें ईरान के सर्वोच्चा नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे।

संघर्ष बढ़ता ही जा रहा : इस सैन्य हमले के बाद ईरान ने मुख्य रूप से इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन तथा सऊदी अरब समेत कई खाड़ी देशों में

अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए हमले किए। पिछले तीन दिनों में दोनों पक्षों की ओर से हमलों और जवाबी हमलों के बीच यह संघर्ष काफी बढ़ गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल : युद्ध के सातवें दिन शुक्रवार को भी इजरायल के लड़ाकू विमान मंडराते रहे। समंदर में हजारों तेल के जहाज फंसे हुए हैं। इनमें 36 जहाज भारत के भी हैं। ऐसे में तेल की आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी कि यह युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत दो वर्षों में पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं। क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए ''हर जरूरी कदम'' उठाएगा।

विश्व कप के दौरान मेक्सिको में रहेगी कड़ी सुरक्षा: राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने शनिवार को कहा कि मेक्सिको इस साल के फीफा विश्व कप के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए करीब 100,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करेगा। शीनबाम ने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडलहारा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जैसा कि आप देख सकते हैं, हम विश्व कप के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, 'हम यहां जलिस्को के सभी लोगों को यह बताने आए हैं कि हम एक साथ हैं। हम इस खूबसूरत राज्य के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई के लिए काम कर रहे हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह

घोषणा पिछले महीने एक आर्मी ऑपरेशन में कार्टेल लीडर नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंटेस की मौत के बाद देश भर में हिंसा में हुई बढ़ोतरी के बाद की गई है। 22 फरवरी को एल मेंचो की मौत के बाद, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल, जिसका वह कभी नेतृत्व करता था, ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कें जाम कीं और गाड़ियों में आग लगा दी। ग्वाडलहारा में 12,000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। सुरक्षा योजना में निजी सुरक्षा कंपनियों के सदस्यों के अलावा 20,000 सैनिक और 55,000 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें 2,500 मिलिट्री और सिविलियन गाड़ियों, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और दूसरी चीजों का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों से मदद मिलेगी।

मेक्सिको के मिलिट्री ऑफिसर जनरल रोमन विलाल्वाजो को सुरक्षा कार्यो को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा, 'पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और अच्छी तरह से व्यवस्थित मेक्सिको को पेश करना है। दूसरा यह है कि मैक्सिकन सरकार में उन विरोधों का सामना करने की क्षमता हो जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। ' विल्लाल्वाजो ने कहा कि मैक्सिकन सुरक्षा बलों ने जनवरी में खास ट्रेनिंग शुरू कर दी है, और आने वाले सप्ताह में इसके और तेज होने की योजना है।

मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका और कनाडा के साथ विश्व कप की सहमेजबानी करेगा। मेक्सिको में 13 मैच खेले जाने हैं जिसमें- पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडलहारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें टूर्नामेंट की मेजबानी करने की मैक्सिको की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

पाकिस्तान में शिया प्रदर्शनकारियों पर सेना की गोलीबारी: 38 की मौत

स्कार्दू , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान के सबसे बड़े शहर स्कार्दू में भीषण हिंसा भड़क उठी। पहली मार्च को शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सेना व अर्द्धसैन्य बलों की गोलीबारी में बाल्टी-शिया समुदाय के 38 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। इससे क्रोधित प्रदर्शनकारियों ने सैन्य प्रतिष्ठानों व सरकारी दफ्तरों में तोड़फोड़ की और आग के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद हिंसा भड़की। शुरुआती झड़पों के बाद 13 लोगों के मारे जाने की सूचना आई थी, लेकिन बाद में घायलों की मौत के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 38 तक पहुंच गई। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कई शहरों में रैली, अमेरिकी दूतावास ने जारी किया अलर्ट अमेरिकी-इस्राइली हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामनेई की मौत की निंदा करते हुए अल्पसंख्यक शिया समुदाय के लोगों ने शुक्रवार को राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में रैलियां निकालीं। इसे देखते हुए पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने परामर्श जारी करते हुए अपने नागरिकों को संभावित हिंसा के प्रति सतर्क किया है।

अमेरिकी दूतावास ने अपने लोगों को दी सलाह : दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को हिंसा प्रभावित बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरफ नहीं जाने की सलाह दी है। इस्लामाबाद में भारी सुरक्षा के बीच 300 से अधिक प्रदर्शनकारी खामनेई के पोस्टर के साथ धरने पर बैठे। वे लोग अमेरिका की मौत हो, सुन्नी समुदाय के लोगों ने अलग से धरना दिया। पाकिस्तान की आबादी में शिया मुसलमानों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है।

संचार संस्थान भी आग के हवाले : स्कार्दू और आसपास के इलाकों में पाकिस्तानी सेना से जुड़े कार्यालयों, आवासीय परिसरों और अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई। इनमें स्कार्दू ब्रिगेड के कमांडर का आवास, पाकिस्तानी नॉर्दर्न लाइट इन्फैंट्री के ऑफिस व आवासीय परिसर, आर्मी पब्लिक स्कूल, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और ग्रीन टूरिज्म कार्यालय शामिल है।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला पाकिस्तानी व्यक्ति दोषी करार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया गया है। इस व्यक्ति के संबंध ईरान से हैं। उसने यह साजिश ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची थी। सुलेमानी की मौत साल 2020 में एक अमेरिकी हमले में हुई थी।

मामले में 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था।

आईआरजीसी से मिला दोषी का लिंक : अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे। मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा था। जून में वह कुछ लोगों से मिला जिन्हें वह हत्यारा समझ रहा था। असल में वे न्यूयॉर्क पुलिस के अंडरकवर अधिकारी थे। जुलाई 2024 में देश छोड़ने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पामेला बोंडी ने कहा कि यह आदमी ट्रंप को मारने की उम्मीद में आया था, लेकिन उसका सामना अमेरिकी कानून की ताकत से हुआ।

एफबीआई ने क्या कहा : एफबीआई के अनुसार, मर्चेंट ने ईरानी शासन के कहने

पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। यह लोकतंत्र पर हमला करने की एक नाकाम कोशिश थी। मर्चेंट ने 2022 के अंत में आईआरजीसी के लिए काम करना शुरू किया था। वहां उसने जासूसी और निगरानी की ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद उसे अमेरिका में नए लोगों को भर्ती करने के लिए भेजा गया। मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे सुलेमानी की मौत का बदला लेने का काम सौंपा गया था। इसके लिए उसने न्यूयॉर्क में एक परिचित से संपर्क किया। उस व्यक्ति ने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी और वह गवाह बन गया। जून 2024 में मर्चेंट ने उस गवाह को बताया कि उसके पास हत्या का एक मौका है। उसने हाथ से बंदूक का इशारा करके अपनी योजना समझाई। मर्चेंट ने अंडरकवर अधिकारियों से तीन काम करने को कहा, जिसमें दस्तावेज चोरी करना, रैलियों में विरोध प्रदर्शन करना और एक बड़े नेता को मारना शामिल था। उसने रैलियों की सुरक्षा के बारे में अपने ईरानी हैंडलर को रिपोर्ट भी भेजी थी। उसने हत्या के लिए 5,000 डॉलर का एडवांस पेमेंट भी किया। 21 जून को पैसे देते समय उसने अधिकारियों से कहा कि अब वे इस काम के लिए साथ हैं। इसके बाद उसने अमेरिका से भागने की तैयारी की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। मर्चेंट ने माना कि वह जानता था कि आईआरजीसी एक आतंकी संगठन है। वह अपने हैंडलर से मिलने कई बार ईरान भी गया था। अदालत के दस्तावेजों और ट्रायल के दौरान दी गई गवाही के अनुसार, आसिफ मर्चेंट ने 2022 के अंत या 2023 की शुरुआत में पाकिस्तान में रहकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के लिए काम करना शुरू किया था। इसी अवधि में उसे 'ट्रेडक्राफ्ट' (जासूसी और खुफिया काम करने के तरीके) का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था, जिसमें काउंटर-सर्विलांस (निगरानी या खुफिया एजेंसियों से बचने की तकनीक) की ट्रेनिंग मुख्य रूप से शामिल थी। मर्चेंट ने अदालत में यह भी स्वीकार किया कि उसे इस बात की पूरी जानकारी थी कि आईआरजीसी एक घोषित आतंकी संगठन है। इस ट्रेनिंग को पूरा करने के बाद, 2023 में उसे ऐसे संभावित आईआरजीसी रंगरूटों की तलाश करने के लिए अमेरिका भेजा गया था, जो वहां रहकर संगठन के लिए काम कर सकें। इसके अलावा, इस पूरी अवधि के दौरान मर्चेंट अपने आईआरजीसी हैंडलर से मिलने और निर्देश प्राप्त करने के लिए बार-बार ईरान की यात्रा भी करता रहा था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com